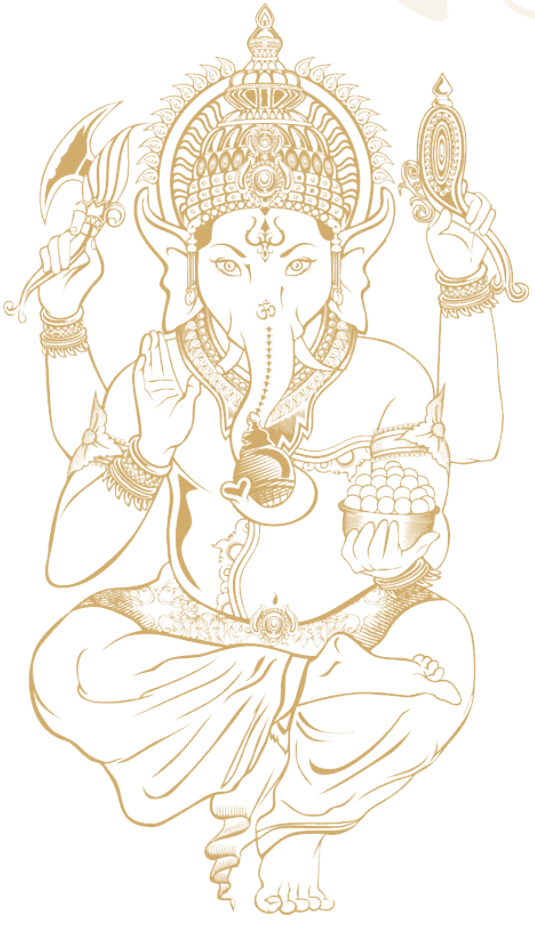

Mr.deepak

Sakshi

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121743801

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121743801 Date: 29/03/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
17/11/1991	जन्म तिथि	09/09/1993
रविवार	दिन	गुरुवार
घंटे 10:40:00	जन्म समय	11:30:00 घंटे
घटी 09:59:25	जन्म समय(घटी)	13:36:04 घटी
India	देश	India
Sabalgarh	स्थान	Shivpuri
26:15:00 उत्तर	अक्षांश	25:26:00 उत्तर
77:24:00 पूर्व	रेखांश	77:39:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:20:24	स्थानिक संस्कार	-00:19:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:40:13	सूर्योदय	06:02:58
17:30:15	सूर्यास्त	18:30:05
23:44:52	चित्रपक्षीय अयनांश	23:46:24

धनु	लग्न	वृश्चिक
गुरु	लग्न लग्नाधिपति	मंगल
मीन	राशि	वृष
गुरु	राशि-स्वामी	शुक्र
पू०भाद्रपद	नक्षत्र	रोहिणी
गुरु	नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
4	चरण	4
हर्षण	योग	वज्र
गर	करण	बालव
दी-दीपांकर	जन्म नामाक्षर	वू-वूली
वृश्चिक	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या
विप्र	वर्ण	वैश्य
जलचर	वश्य	चतुष्पाद
सिंह	योनि	सर्प
मनुष्य	गण	मनुष्य
आद्य	नाड़ी	अन्त्य
सर्प	वर्ग	मृग

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
गुरु 3वर्ष 6मा 14दि		23:47:18	धनु	लग्न	वृश्चि	04:34:12	चन्द्र 0वर्ष 6मा 21दि	
बुध		00:36:05	वृश्चि	सूर्य	सिंह	22:47:58	गुरु	
02/06/2014		00:23:01	मीन	चंद्र	वृष	22:35:12	02/04/2019	
02/06/2031		27:52:23	तुला	मंगल	कन्या	24:21:08	02/04/2035	
बुध	28/10/2016	22:44:28	वृश्चि	बुध	कन्या	02:24:10	गुरु	20/05/2021
केतु	25/10/2017	18:00:04	सिंह	गुरु	कन्या	22:59:15	शनि	01/12/2023
शुक्र	25/08/2020	14:44:22	कन्या	शुक्र	कर्क	21:16:28	बुध	08/03/2026
सूर्य	02/07/2021	07:57:30	मक	शनि व	कुंभ	01:42:16	केतु	12/02/2027
चन्द्र	01/12/2022	17:13:30	धनु व	राहु	वृश्चि	12:50:53	शुक्र	13/10/2029
मंगल	28/11/2023	17:13:30	मिथु व	केतु	वृष	12:50:53	सूर्य	01/08/2030
राहु	17/06/2026	17:29:53	धनु	हर्ष व	धनु	24:35:33	चन्द्र	01/12/2031
गुरु	22/09/2028	20:57:58	धनु	नेप व	धनु	24:43:15	मंगल	06/11/2032
शनि	02/06/2031	26:42:27	तुला	प्लूटो	तुला	29:20:22	राहु	02/04/2035

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:44:52 चित्रपक्षीय अयनांश 23:46:24

लग्न-चलित

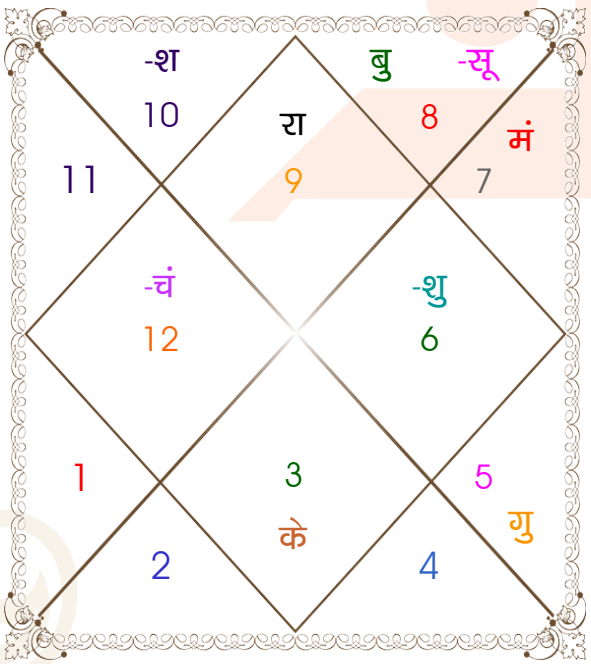

लग्न-चलित

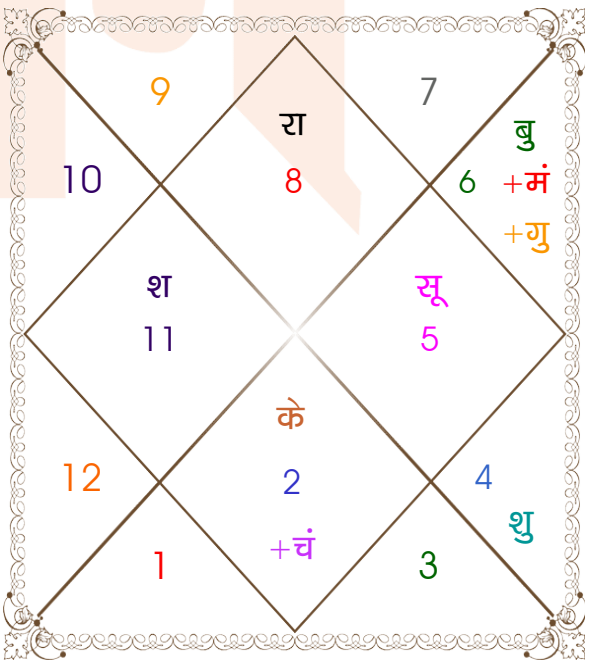

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सिंह	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	शुक्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

कुल : **27 / 36**

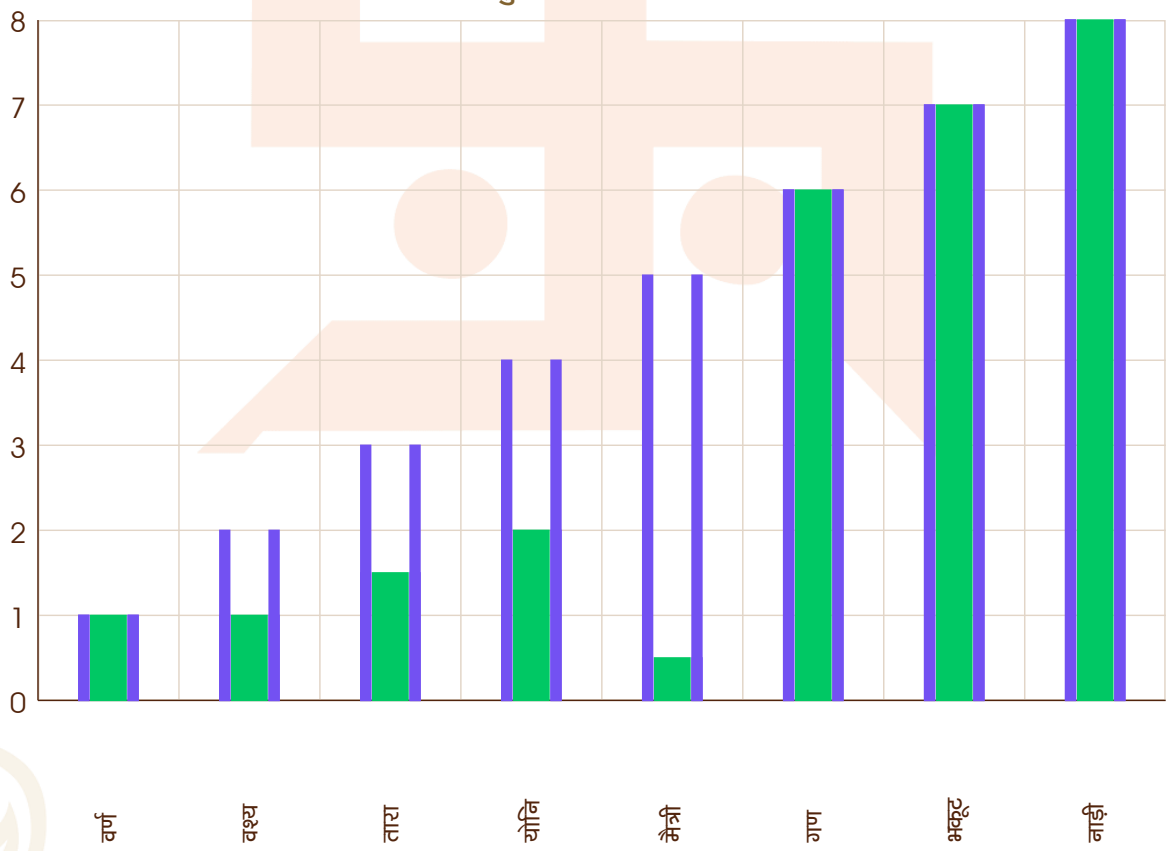

अष्टकूट मिलान

Mr.deepak का वर्ग सर्प है तथा ौीप का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.deepak और ौीप का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.deepak मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

ौीप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

Mr.deepak तथा ौीप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Mr.deepak का वर्ण ब्राह्मण तथा ीप का वर्ण वैश्य है। अतः यह मिलान अति उत्तम है। ीप सदैव अपने पति तथा घर में बड़ों का सम्मान करेगी तथा उनकी आज्ञा का पालन करती रहेंगी। ीप मितव्ययी होंगी तथा बचत करके पैसे को लाभदायक उपादानों में निवेश करती रहेंगी।

वश्य

Mr.deepak का वश्य जलचर है एवं ीप का वश्य चतुष्पद है। अतः यह मिलान औसत मिलान ही है। जलचर एवं चतुष्पद सामान्यतः एक-दूसरे के लिए सम हैं। दोनों के बीच न ही प्रेम की भावना होगी और न ही शत्रुता तथा दोनों का प्रकृति में स्वतंत्र अस्तित्व रहेगा। कुंडली मिलान में दोनों के दृष्टिकोण, सोच एवं व्यवहार में पूर्णतः भिन्नता रहते हुए भी विवाह को स्वीकृति प्रदान की गयी है क्योंकि दोनों एक-दूसरे को किसी प्रकार का नुकसान नहीं पहुंचायेंगे तथा अपने-अपने तरीके से अपने कर्त्तव्यों एवं दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे।

तारा

Mr.deepak की तारा क्षेम तथा ीप की तारा वध है। ीप की तारा वध होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। ऐसे में यह विवाह Mr.deepak एवं ीप दोनों के लिए दुर्भाग्य के द्वार खोल सकता है। ीप अपने पति एवं उसके परिवार के लिए दुर्भाग्यशाली साबित हो सकती है। अतः संभव है कि घर में निरंतर दुःखदायी घटनाओं का क्रम चलता रहे। जिससे घर में दुःख एवं पीड़ा के वातावरण का निर्माण हो सकता है। ऐसी स्थिति में बच्चे भी काफी कष्ट भुगत सकते हैं तथा सफलता प्राप्ति के लिए उन्हें कड़ी मेहनत करनी पड़ सकती है।

योनि

Mr.deepak की योनि सिंह है तथा ीप की योनि सर्प है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन

परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Mr.deepak का राशि स्वामी ीप के राशि स्वामी से शत्रु का संबंध रखता है। जबकि ीप का राशि स्वामी Mr.deepak के राशि स्वामी के साथ सम रहता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए शत्रु किंतु दूसरा उसे सम मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

Mr.deepak का गण मनुष्य तथा ीप का गण भी मनुष्य ही है। अर्थात दोनों का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों के स्वभाव एक जैसे होंगे। दोनों भौतिक सुखों के आकांक्षी, परिश्रमी, बुद्धिमान, व्यावहारिक तथा मिलनसार रहेंगे। तथा साथ मिलकर अपने सभी दायित्वों का निर्वहन करेंगे।

भकूट

Mr.deepak से ीप की राशि तृतीय भाव में स्थित है तथा ीप से Mr.deepak की राशि एकादश भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण Mr.deepak अति महत्वाकांक्षी, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा अच्छा कमाने वाले होंगे। दूसरी ओर ीप सद्गुणी, परिश्रमी, सहयोगी एवं दयालु होंगी तथा अपने पति की हर क्षेत्र में हर संभव सहायता करेंगी। दोनों के बीच मधुर तालमेल, एक-दूसरे की अच्छी समझ होगी। ऐसा प्रतीत होता है कि जैसे दोनों एक-दूसरे के लिए ही बने हों।

नाड़ी

Mr.deepak की नाड़ी आद्य है तथा ीप की नाड़ी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति

उत्तम मिलान है। इस मिलान में शरीर के दो महत्वपूर्ण अवयवों वात एवं कफ का संतुलन होता है। Mr.deepak की आद्य नाड़ी तथा ीप की अन्त्य नाड़ी अच्छे स्वास्थ्य, स्वस्थ एवं मजबूत शरीर, दम्पत्ति के आपसी प्रेम एवं समझदारी की द्योतक हैं। जिसके कारण आपकी संतान स्वस्थ, आज्ञाकारी एवं भाग्यशाली होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

Mr.deepak की जन्मराशि जलतत्व युक्त मीन तथा ीप की राशि पृथ्वी तत्व युक्त वृष है। पृथ्वी तथा जलतत्व में परस्पर समानता के कारण दोनों के मध्य स्वभावगत समानताएं विद्य मान होंगी जिससे आपसी सम्बंधों में मधुरता रहेगी तथा वैवाहिक जीवन भी सुखी रहेगा। अतः मिलान सामान्य से अच्छा रहेगा।

Mr.deepak की राशि का स्वामी वृहस्पति तथा ीप की राशि का स्वामी शुक्र परस्पर सम तथा शत्रुराशियों में स्थित है। इसके प्रभाव से Mr.deepak और ीप के मध्य यदा कदा मतभेद तथा विवाद उत्पन होंगे तथा दाम्पत्य सम्बंधों में कटुता का भाव रहेगा वे एक दूसरे के गुणों की उपेक्षा तथा कमियों पर विशेष ध्यान देने से परस्पर कटुता एवं तनाव का वातावरण उत्पन होगा तथा दाम्पत्य जीवन में भी प्रतिकूलता रहेगी। अतः Mr.deepak और ीप यदि बुद्धिमता तथा सामंजस्य से कार्य लें तो दाम्पत्य जीवन में सुखद क्षणों की प्राप्ति करने में ये दोनों समर्थ हो सकते है।

Mr.deepak और ीप की राशियां परस्पर तृतीय तथा एकादश भाव में पड़ती हैं। शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है। अतः इसके प्रभाव से उपरोक्त अशुभफलों में न्यूनता आएगी तथा एक दूसरे के प्रति प्रेम सहानुभूति तथा सहयोग के भाव में वृद्धि होगी तथा एक दूसरे के प्रति आकर्षण तथा आत्मिक लगाव भी रहेगा। साथ ही कमियों की अपेक्षा गुणों पर विशेष ध्यान देकर दाम्पत्य जीवन में सुख एवं प्रसन्नता की प्राप्ति होगी तथा समय आनन्दपूर्वक व्यतीत होगा।

Mr.deepak का वश्य जलचर तथा ीप का वश्य चतुष्पद है। अतः इनमे नैसर्गिक विषमता के कारण अभिरूचियों में भिन्नता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी आवश्यकताएं भिन्न रहेगी। फलतः कामसम्बंधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न तथा संतुष्ट करने में समर्थ नहीं होंगे।

Mr.deepak का वर्ण ब्राह्मण तथा ीप का वर्ण वैश्य है। अतः Mr.deepak की प्रवृति धार्मिक तथा शैक्षणिक कार्य कलापों में रहेगी जबकि ीप धनार्जन में विशेष तत्पर रहेंगी तथा धन को विशेष महत्व प्रदान करेंगी इससे यदा कदा Mr.deepak और ीप के मध्य मतभेद उत्पन्न हो सकते है।

धन

Mr.deepak और ीप की तारा एक दूसरे के लिए सम रहेगी। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य रूप से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों समर्थ होंगे। Mr.deepak और ीप की राशि तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती है। यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से उनकी आय में नित्य वृद्धि होगी जिससे अर्थिक सुदृढ़ता बनी रहेगी। साथ ही मंगल का प्रभाव भी सम रहेगा। अतः धनार्जन होता रहेगा।

ीप एक सौभाग्यशाली महिला होंगी अतः उन्हें अचानक धन प्राप्ति की पूर्ण संभावना होगी। यह लाटरी या सट्टे या किसी अन्य माध्यम से हो सकता है। साथ ही पैतृक सम्पति या जायदाद भी उनको मिलेगी जिससे दम्पति धन एवं ऐश्वर्य से युक्त रहकर अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

स्वास्थ्य

Mr.deepak की नाड़ी आद्य तथा ीप की नाड़ी अंत्य है। अतः दोनों की नाड़ियां अलग अलग होने के कारण वे नाड़ी दोष से मुक्त माने जाएंगे। इसके प्रभाव से उनका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा पराक्रम एवं परिश्रम से अपने सांसांरिक महत्व के कार्यो को सम्पन्न करने में समर्थ होंगे जिससे उनका दाम्पत्य जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा। साथ ही मंगल का भी इनमें किसी के भी स्वास्थ्य पर कोई दुष्प्रभाव नहीं है। अतः सुखी दाम्पत्य जीवन की दृष्टि से यह मिलान उत्तम रहेगा।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Mr.deepak और ीप का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Mr.deepak और ीप के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में ीप के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन ीप को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में ीप को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Mr.deepak और ीप सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Mr.deepak और ीप का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

ीप के अपने सास से संबध सामान्य ही रहेंगे तथा विशिष्ट मधुरता के भाव की समय समय पर न्यूनता का आभास होगा परन्तु आपसी सामंजस्य से किंचित अनुकूलता इसमें बनाए रखने में दोनों समर्थ रहेंगे। यदा कदा इनके मध्य मतभेद तथा तनाव भी उत्पन्न होगा परन्तु यह क्षणिक होगा एवं गंभीर नहीं होगा। साथ ही ीप सास को अपने माता के समान

सेवा तथा सम्मान प्रदान करेंगी।

अपने विनम्र स्वभाव सामंजस्य की प्रवृति तथा सेवा भाव के कारण ससुर की प्रसन्नता एवं सन्तुष्टि अर्जित करने में समर्थ रहेंगी। लेकिन देवर एवं ननदों से संबधों में तनाव रहेगा तथा आपस में आलोचना तथा प्रतिद्वन्दिता का भाव विद्यमान रहेगा परन्तु यदि ीप किंचित धैर्य एवं सामंजस्य से कार्य ले तो इनसे संबधों में मधुरता उत्पन्न हो सकती है तथा वे भी ीप को यथोचित सम्मान एवं सहयोग प्रदान करेंगे।

इस प्रकार सास ससुर का दृष्टि कोण ीप के प्रति सामान्यतया अच्छा रहेगा एवं परिवार के सदस्य के रूप में वे उसे स्वीकार करेंगे ।

ससुराल-श्री

Mr.deepak के सास से सामान्यतया मधुर संबध रहेंगे तथा उनके प्रति मन में पूर्ण श्रद्धा तथा सेवा की भावना विद्यमान रहेगी। साथ ही सास को अपनी माता के समान आदरणीया समझेंगे। वह सपत्नीक अवसरनुकूल ससुराल में उनसे मिलने भी जाया करेंगे तथा अपने मन में कभी श्रेष्ठता की भावना नहीं लाएंगे जिससे संबध अनुकूल रहेंगे।

ससुर के साथ में Mr.deepak के संबध विशेष अनुकूल नहीं रहेंगे तथा आयु में काफी अंतर होने के कारण उनके आपस में मतभेद होंगे लेकिन यदि दोनों परस्पर सामंजस्य की प्रवृति एवं बुद्धिमता से व्यवहार करें तो संबधों में मधुरता का भाव आ सकता है। साथ ही साले एवं सालियों से भी संबधों में अनुकूलता रहेगी तथा एक दूसरे के प्रति पूर्ण सम्मान स्नेह तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा मित्रता की भी भावना रहेगी जिससे एक दूसरे को समझने में सफल रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल का दृष्टिकोण Mr.deepak के प्रति सकारात्मक रहेगा तथा Mr.deepak भी मधुर संबधों को बनाने में नित्य यत्नशील रहेंगे।